।। श्री गणेश जी वन्दना ।।

रणत भवन से आवो थे रिद्ध-सिद्ध रा भरतार,
संकट हारी हो रही थारी जग में जय-जयकार।
माँ जगदम्बा थारो लाड़ लड़ायों,
पालनो झुलायों थान गोद म खिलायों।
शिवशंकर भोलेरो थे पायों प्यार दुलार,
संकट हारी हो रही .....

दूदँ दुदालों बाबों सूँड सुडालो,
कष्ट पड़ा यो बाबो बन रखवालों।
ठुमक ठुमक कर नाचे पायलरी झनकार,
संकट हारी हो रही .....

मोदक प्रिय मुद मंगल दाता,
सुर नर किन्नर भाग्य विधाता,
गणनायक वरदायक थे देवा रा सरकार,
संकट हारी हो रही .....

प्रथम मनावाँ ध्यावों गणपत राजा,
विघ्न हराऊँ सव सारूँह काजा,
सारा सेवक बाबा थारा ही पूजनहार,
संकट हारी हो रही .....

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com